LORD WELLESELY

SUBSIDIARY ALLIANCE

1782 ई॰ में वेलेजली भारत का गवर्नर जनरल नियुक्त होकर भारत पहुँचा। तत्कालीन परिस्थिति के अनुसार दो नीतियाँ अपनाई जो परस्पर विरोधी थीं। एक नीति आक्रमण की एवं दूसरी संधि की थी। प्रथम, भारतीय शक्तियों पर नियंत्रण रखकर भारत में कंपनी की सत्ता को सर्वोपरि बनाना एवं दूसरा शक्तिशाली सेना संगठित करके भारत में फ्रांसीसी प्रभुत्व को समाप्त करना।

सहायक संधि लार्ड वेलेजली के मूल लक्ष्यों का एक प्रमुख साधन थी। लार्ड वेलेजली ने राज्य विस्तार करने तथा भारत में कंपनी को प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से ही इस सहायक संधि को अपनाया। सहायक संधि करके उसने विभिन्न राज्यों पर कंपनी का प्रभुत्व बढ़ाया।

सहायक संधि की प्रमुख शर्तें:-

1. सहायक संधि पर हस्ताक्षर करने वाला देशी नरेश यह स्वीकार करता था कि वह कंपनी के आधिपत्य में रहेगा और बिना कंपनी की अनुमति के वह किसी भी अन्य राज्य के साथ संधि-विग्रह इत्यादि नहीं करेगा।
2. सहायक संधि करनेवाले देशी राज्य को अपने दरबार में एक अंग्रेज रेजिडेंट भी रखना पड़ता था, जो शासन के कार्यों में परामर्श दिया करता था।
3. संधिकर्ता देशी नरेश अपने व्यय पर अपने यहाँ एक अंग्रेजी सेना रखेगा। इसका उद्देश्य कंपनी के राज्य वृद्धि करना था। R.C. Majumdar के अनुसार, "साम्राज्यवादी प्रवृत्ति होने के कारण देशी नरेशों पर यह नीति बलपूर्वक थोपी थी और उसने देशी नरेशों के राज्य को अंग्रेजी सत्ता में विलय कर लिया था।

Dr. Umesh Kumar Rai
Dept of History
S.B. College, Ara
B.A. -Part iii ; Paper- VI
History of India (1765-1950)
19-02-2024
Class- 02 (Second)
Mob: 8809947478
Email Id: ukrai.sasaram@gmail.com